consideration does not refer to the number of Half-an-Hour discussions. That was part of the Report which the House has already adopted. Of course, it is open to the House to suggest that the Business Advisory Committee when it meets next should consider the question of the number of Half-an-Hour discussions per week. As far as the passing of this Report is concerned, it does not come in the picture.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Are you prepared to assure the House that it will be considered in the next meeting of the Business Advisory Committee?

SHRI RAVINDRA VARMA: Sir, Mr. Mavalankar who has a generous nature, and does not generally make ungenerous comments gave an impression as though Government was trying to take away the time of the private members. This is a very uncharitable remark. The government is not taking away the time of the private members. In fact it is the Government that is struggling to get the Government business through Nothing has been said in the Business Advisory Committee Report which may mean that inroads should be made into private members' time. The question arose from the number of Half-an-Hour discussions. This can always be considered by the Business Advisory Committee. Sir, I do not think therefore I need say anything more.

SHRI B. P. MANDAL: Before I seek leave of the House to withdraw my amendment, I would like to request the hon. Minister, Shri Ravindra Varma, that in future he should be more liberal in granting time for the discussion of Budget of States which are under President's Rule. Otherwise, parliamentary democracy will be a mockery. I seek leave of the House to withdraw my amendment.

MR. SPEAKER: Is it the pleasure of the House to allow the hon. Member to withdraw his amendment?

SOME HON. MEMBERS: Yes.

The Amendment, was by leave withdrawn.

MR. SPEAKER: The question is:

"That this House do agree with the Fourteenth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 15th March, 1978".

The motion was adopted.

12.52 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) BHAGALPUR-BIHPUR RAILWAY-STEAMER SERVICE

MR. SPEAKER: Dr. Ramji Singh, you must give a copy of the statement in writing. We have repeatedly said that you must give it in writing.

डा० रामजी सिंह (भागलपुर) : I am sorry, Sir. अध्यक्ष महोदय मैं नियम 377 के अन्तर्गत एक विशेष परिस्थिति की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मैंने पिछली बार भी रेल मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था कि भागलपुर-महादेवपुर—बीहपुर रेलवे तथा स्टीमर की सेवा पिछले दो वर्षों से अस्त-व्यस्त हो जाने के कारण लाखों आदमियों को महान कष्ट हुआ था। पिछली बार भी रेल मंत्री जी ने कहा था कि इस सम्बन्ध में कुछ काम हो जायगा। लेकिन फिर भी वह सेवा वर्ष भर अस्त-व्यस्त रही।

अध्यक्ष महोदय, भागलपुर-बीहपुर की रेलवे-स्टीमर सेवा 100 वर्ष पुरानी है, 1885 से चल रही है, लकिन पिछले दो वर्षों के न जाने किन कारणों से अस्त-व्यस्त हो जाती है, न स्टीमर चल पाता है और न रेलगाड़ी चलती है। यह सेवा दक्षिण

[श्री रामजी सिंह]

और उत्तर बिहार की लाइफ-लिंक है, इनसे लोग सहरसा, पूर्णिया तक जाते हैं और दूसरी तरफ छोटा नागपुर और बिहार के अन्य दक्षिणी इलाका मे जाते हैं। दुख की बात यह है कि वहा एक षडयन्त्र चल रहा है। जो प्राइवेट स्टीमर सर्विस है, वे चाहते हैं कि उन की सेवा चलती रहे और सरकारी सेवा बन्द हो जाय। नतीजा यह होता है कि जो कानून है कि रात मे प्राइवेट स्टीमर सेवा न चले, उस का भी पालन नही होता है और वे रात मे भी अपनी सेवा चलाते रहते है।

प्राइवेट स्टीमर सेवा को सरकारी स्टीमर सेवा के नजदीक नही रखना चाहिए लेकिन इन के नजदीक रहने से क्या नतीजा निकल रहा है कि जो अस्वस्थ प्रतियोगिता होती है अन-हैल्दी-काम्पीटीशन होता है उस मे बहुत नुकसान होता है। इस सम्बन्ध मे वहा बहुत बडा जन-प्रदर्शन भी हुआ था, जिस मे दस हजार लोग रेलवे-ट्रैक पर बैठ गये थे। यह प्रदर्शन उस समय हुआ था जब रेल विभाग के लोग उस रेलवे लाइन को उखाडने के लिए गए थे। अब मैं फिर सरकार को आगाह करना चाहता हू कि दो महीने के बाद जब बाढ आएगी और वह सेवा फिर अस्त-व्यस्त हो जाएगी, तो जनता का आक्रोश बढ़ेगा। इस लिए मैं पहले ही कह देना चाहता हू कि बाढ आने क पहल ही रेलवे लाइन को ऊचा कर दिया जाय ताकि यह सेवा फिर से अस्त-व्यस्त न हो जाय। मेरी समझ मे नही आ रहा है कि जो सेवा पिछले 80 वर्षों से चल रही थी, दो वर्षों से चालू क्या नही हो पाती है? इसलिए सरकार प्राइवेट स्टीमर सर्विस के षडयन्त्र मे न पड कर, उन के षडयन्त्र को नाकाम करते हुए, वहा की जनता की माग को पूरा करे और रेलवे ट्रैक को ऊचा करे, ताकि अगली बरसात मे बाढ़ के समय यह अस्त-व्यस्त न हो।

(ii) Reported Strike in Bokaro Steel Plant

श्री रामदास सिंह (गिरिडीह) : अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से एक बहुत महत्वपूर्ण बात की ओर सरकार का ध्यान खीचना चाहता हू। 27-2-78 से बोकारो स्टील सिटी मे हडताल चल रही है और उन मजदूरो की हडताल के चलते आज बोकारो स्टील सिटी मे प्रति दिन 5 करोड रुपये का नुकसान हो रहा है लेकिन इस पर स्टील मत्रालय और सेल कोई ध्यान नही दे रहे है। वहा पर उत्पादन कितना एफेक्ट कर गया है इस के लिए मै आप के सामने 8 9 दिन का जो प्रोडक्शन है वह टार्गेट का कितने प्रतिशत रह गया है उसका ब्यौरा रखता हू

सी० आर० शीटस का उत्पादन जो हडताल से पहले होता था उस का साढे छ प्रतिशत आज होता है। हडताल के दौरान सी० आर० कोआयल्स का उत्पादन 27 प्रतिशत रह गया है। इसी तरह से स्लेब्स का उत्पादन अब केवल 17 प्रतिशत, एच० आर० कोआयल्स का 16 प्रतिशत, इनगोट स्टील का 17 प्रतिशत होट मटेल का 33 प्रतिशत और सिन्टर का 26 प्रतिशत रह गया है। राष्ट्र का इतना बडा नुकसान होने के बाद भी आज सेल का जो मेनेजमेंट है उस पर कोई ध्यान नहीं देता है। वहा पर दो ब्लास्ट फरनेस बन्द हो गये है। जब मैं वहा पर 11-3-78 को गया था और मैंने जब यह टार्गेट और प्रोडक्शन का डेटा लिया, तो उस समय दोनो ब्लास्ट फरनेस बन्द हो गये थे और तीसरा भी बन्द होने की स्थिति मे था। यह हालत आज बोकारो स्टील सिटी मे चल रही है जब कि इस देश मे स्टील की इतनी ज्यादा जरूरत है।

हडताल का कारण क्या है? इस हडताल का कारण यह है कि ज्वाइण्ट बेज